(ङ) सरकार द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान इस्पात के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास हेतु इस्पात विकास निधि से कितनी अनुदान राशि तथा ऋण उपलब्ध कराया गया?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद वैश्य): (क) जी, हां।

(ख) 31 अक्तूबर, 1996 की स्थिति के अनुसार बकाया ऋण निम्नानुसार हैं;

(करोड़ रुपए)

सेल	4676.91
रिस्टो	884.20
इस्को	44.68
कुल	5,605.79

(ग) और (घ) इस्पात विकास निधि प्रबंधन समिति के निर्णय के अनुसार ऋण की अदायगी ऋण निर्मुक्त/वितरित किए जाने की तिथि से 12 वर्ष की अवधि में करनी होती है।

(ङ) इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास हेतु इस्पात विकास निधि से पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मुक्त की गई धनराशि निम्नानुसार है;

(करोड़ रुपए)

1994-95	—	शून्य
1995-96	—	0.51
1996-97	—	0.20

Plant-wise Financial Performance of Sail

589. DR. B.B. DUTTA: Will the Minister of STEEL be pease to state:

(a) the financial performance of the Steel Authority of India during 1996-97, plant-wise;

(b) whether the profitability of the SAIL has declined during the current year as compared to last year;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) the steps taken or proposed to be taken to improve the performance of the SAIL?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) The plant-wise financial performance of SAIL during 1996-97 is as under:

(Rs. in Crores)

PLANT	PROFIT/LOSS)*
Bhilai Steel Plant	688
Durgapur Steel Plant	(−) 233
Rourkela Steel Plant	(−) 315)
Bokaro Steel Plant	361
Alloy Steels Plant	(−) 67
Salem Steel Plant	(−) 38

* Subject to CAG Audit.

(b) and (c) SAIL consolidates its financial results on half yearly and annual basis. Hence, profit position will be know after expiry of six months/year of the current financial year.

(d) SAIL is taking steps on a continuous basis to improve its performance, which include modernisation and technological upgradation of its plants, improving techno-economic factors i.e. reduction in coke rate, energy consumption, metallic input, improvement in yield, extensive customer contact, market oriented product-mix, improvement in quality, long term relationship with customers, leadership in service and customer satisfaction, strict control and monitoring of operating costs, higher productivity and greater autonomy to field officers, etc.

इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण

590. **श्री रामगोपाल यादव:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कुछ इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण किया है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) किन-किन संयंत्रों का आधुनिकीकरण किया गया है और उन पर कितना धन खर्च हुआ है;

(ग) क्या आधुनिकीकरण के बाद उक्त संयंत्रों का कार्य-निष्पादन/क्षमता का उपयोग आशानुरूप है;

(घ) यदि हां, तो आधुनिकीकरण से पूर्व इन संयंत्रों की उत्पादन क्षमता क्या थी और आधुनिकीकरण के बाद उनकी वर्तमान उत्पादन क्षमता क्या है; और

(ङ) संयंत्रों का कार्य-निष्पादन आशानुरूप न होने की स्थिति में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने की संभावना है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क): 'सेल' ने दुर्गापुर राउरकेला और बोकारो स्थित अपने संयंत्रों का आधुनिकीकरण कार्य शुरु किया है। इनका प्रमुख उद्देश्य उत्पादन की लागत में कमी करने, उत्पादनों की गुणता में सुधार करने और पर्यावरण प्रदूषण कम करने आदि के लिए प्रौद्योगिकी को अद्यतन करना है।

(ख) 'सेल' की इन आधुनिकीकरण परियोजनाओं पर 1996-97 तक हुए व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

(करोड़ रुपये)

संयंत्र	
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी०एस०पी०)	4472.85
राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर०एस०पी०)	3453.84
बोकारो इस्पात संयंत्र (बी०एस०एल०)	1293.26

(ग) से (ङ) आधुनिकीकरण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, आधुनिकीकरण से पूर्व क्षमता और वर्तमान निष्पादन नीचे दिया गया है:—

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी०एस०पी०)

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण की प्रमुख सुविधाएं अप्रैल, 1996 तक प्रगामी रूप से चालू कर दी गई हैं और इस परियोजना के दिसम्बर, 1997 तक पूरा किए जाने की संभावना है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर०एस०पी०)

राउरकेला इस्पात संयंत्र की प्रमुख इकाइयों का आधुनिकीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। तप्त पत्ती मिल और पुर्तापन भट्टियों का संशोधन क्रमशः सितम्बर, 1997 और अक्तूबर, 1998 तक पूरा किए जाने की संभावना है।

बोकारो इस्पात संयंत्र (बी०एस०एल०)

बोकारो इस्पात संयंत्र की आधुनिकीकरण (चरण-I) परियोजना का कार्य चल रहा है और इसके अप्रैल, 1998 तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है।

डी०एस०पी० और आर०एस०पी० आधुनिकीकरण के मामले में प्रमुख सुविधाओं के पूरा होने से आधुनिकीकरण के लाभ प्राप्त होने आरम्भ हो गए हैं और निष्पादन उत्पादकता आदि के सकारात्मक रूख का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र

प्राचल/इकाई	आधुनिकीकरण से पूर्व आधार क्षमता	वास्तविक निष्पादन 1996-97	1995-96 की तुलना में सुधार (प्रतिशत)	आधुनिकीकरण पूरा होने के बाद परिकल्पित निष्पादन
विक्रेय इस्पात उत्पादन (हजार टन)	938	1093	15	1586
बी०एफ० उत्पादकता टी०/एम-3/दिन	0.7	0.97	13	1.04
कोकदर कि०ग्राम/टी एच एम	901	679	9	653
ऊर्जा खपत गैलन कैलोरी/ टी०सी०एस०	11.38	8.93	10	8.3

राउरकेला इस्पात संयंत्र				
विक्रेय इस्पात	1208	1180	3	1671
उत्पादन (हजार टन)				
बी०एफ० उत्पादकता	0.76	0.80	10	1.13
टी०/एम-3/दिन				
कोकदर कि०ग्राम/टी एच एम	811	699	1	700
ऊर्जा खपत गैलन कैलोरी/				
टी०सी०एस०	11.0	10.38	3	9.0

Financial Crisis in SAIL

591. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Steel Authority of India is reeling under a severe financial crisis following a major drop in sales;

(b) whether it is also a fact that the company have incurred a loss of Rs. 279 crore during April and May, 1997;

(c) if so, what are the reasons therefor; and

(d) the remedial steps proposed to be taken up in this regard?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIREDNRA PRASAD BAISHYA): (a) to (c) The quantity of sales has increased in the first quarter of 1997-98 as compared to the corresponding period last year and SAIL is not under any severe financial crisis.

SAIL consolidates its financial results on half yearly and annual basis. Hence, profit position will be known after expiry of six months/year of the current financial year.

(d) SAIL is taking steps on a continuous basis to improve its performance and sales, which include modernisation and technological upgradation of its plants, improving techno-economic factors i.e. reduction in coke rate, energy consumption, metallic input, improvement in yield, extensive customer contact, market oriented product-mix, improvement in quality, long term relationship with customers, leadership in service and customer satisfaction, strict control and monitoring of operating costs, higher productivity and greater autonomy to field officers, etc.

Mounting Losses in SAIL

592. SHRI GHUFRAN AZAM:
SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether SAIL is heading for a serious financial crisis with its mounting losses;

(b) if so, what is estimated accumulated loss suffered by SAIL till date;

(c) what are the major causes attributed for the losses; and

(d) what steps have been taken by Government to improve the situation?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) SAIL has been earning profit continuously since 1984-85. The cumulative profit of SAIL upto March, 1997 is Rs. 2749 crores.

SAIL is taking steps on a continuous basis to improve its performanace, which include modernisation and technological upgradation of its plants, improving